वि.वि. अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में छः दिवसीय कार्यशाला का समापन

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत छः दिवसीय कार्यशाला ''मत्स्य स्वास्थ्य एवं मत्स्य रोग प्रबंधन इन ट्रपिक्स'' का समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. बी.पी. मोहन्ती, ए.डी.जी. अंतःस्थलीय मत्स्य, आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा प्रतिभागियों को संदेश दिया गया कि मत्स्य रोगों की सही जानकारी व उसका समुचित निराकरण आवश्यक है। मत्स्य विज्ञान के इस क्षेत्र में शोध कार्य जारी है जिसका लाभ हमारे किसानों को भविष्य में मिल सकेगा। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना भी जो भारत सरकार द्वारा शुरू की जा रही है। इसका अधिक से अधिक लाभ मत्स्य पालकों को मिल सकेगा। इस अवसर पर सम्मानीय अतिथि बी.के. दास, डायरेक्टर सीफरी, बेरकपुर द्वारा मछली के विभिन्न रोग व उनके प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. ए.सी. मुखर्जी द्वारा प्रतिभागियों को जानकारी दी गई कि कोविड–19 के इस समय में ऑनलाइन कार्यक्रमों द्वारा मछली के रोग व रोग प्रबंधन विषय पर जानकारी उपलब्ध करायी जा रही है जो कि बहुत ही अच्छा प्रयास है। इस कार्यशाला की आयोजन सचिव डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा जानकारी दी गई कि इस कार्यशाला में कुल 50 प्रतिभागियों का पंजीयन किया गया जो कि देश के 19 राज्यों से थे। इस कार्यशाला में छः दिवसों में 16 व्याख्यान 16 विद्वानों द्वारा दिए गए। डॉ. प्रवत प्रधान, प्रधान वैज्ञानिक एन.बी. एफ.जी.आर. लखनऊ द्वारा **न्यू इनसाइट इन टू फिश पेथोजेनिक ऊमाइसीट एफोनोमाइसिस इनवेडेन्स** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. जवाहर एब्राहम, प्रोफेसर, कोलकाता द्वारा **फिश क्लीनिक कान्सेप्ट एण्ड एक्सपिरीयन्स** विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. पानी प्रसाद प्रधान वैज्ञानिक सी.आई.एफ.ई. मुंबई द्वारा बेक्टीयरियल डिसीजस इन फिश एण्ड देयर मेनेजमेंट पर, डॉ. नीरज सूद, प्रधान वैज्ञानिक, एन.बी.एफ.जी.आर., लखनऊ, ने एक्वेटिक एनीमल डिसीजस सर्विलेन्स इन इंडिया, डॉ. वी.के.दास फिश हेल्थ मेनेजमेंट इन ओपन वाटर पर व्याख्यान दिया।

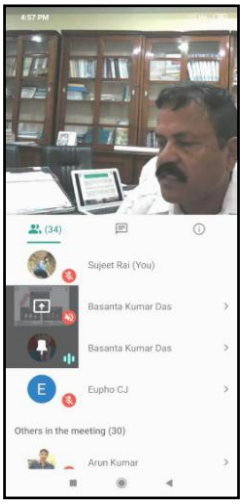

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. आर.के.एस. बघेल, अधिष्ठाता संकाय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के संबंध में बताया कि इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से 16 विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किये गए जिसका पूर्ण लाभ मत्स्य पालकों को मिल सके।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी जी के मार्गदर्शन में एवं अध्यक्ष डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठता संकाय एवं अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नेतृत्व में किया गया है। इस कार्यक्रम की आयोजन संयोजक डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया डॉ. एस.के. महाजन इसके कार्यक्रम सह आयोजन संयोजक है। डॉ. प्रीति मिश्रा सह आयोजन संयोजक द्वारा आभार व्यक्त किया गया एवं डॉ. शरद सुरनार का विशेष सहयोग रहा है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर